Unique paper code: 12277503

Name of the paper: Economic History of India (1857 – 1947)

Name of the course: B.A. (Hons.) Economics (CBCS – LOCF), DSE

Semester: V

Maximum Marks: 75

Time: 3 hours

Instructions for Candidates

1. Answer **any 4** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये |
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं |
3. प्रश्न का उत्तर हिंदी अथवा अंग्रेजी माध्यम में लिखा जा सकता है परन्तु सभी प्रश्नों का उत्तर एक ही माध्यम में होना चाहिए |

Q 1. Bring out the importance of Indian cotton cloth in the 17th and 18th centuries. Did trade in this commodity impact India's money supply in this period? Explain.

17वीं तथा 18वीं शताब्दी में भारतीय सूती कपड़े के महत्व पर प्रकाश डालिए। क्या इस सूती कपड़ों व्यापार ने इस अवधि में भारत की मुद्रा आपूर्ति को प्रभावित किया? व्याख्या करें।

Q 2. "Agriculture expansion was the mainstay of economic growth in the pre-war period. Agricultural stagnation was the main reason why economic growth declined in the inter-war period." Do you agree with the above statement? Explain.

"युद्ध पूर्व काल में कृषि विस्तार आर्थिक विकास का मुख्य आधार था। अंतर-युद्ध काल में आर्थिक विकास में गिरावट का मुख्य कारण कृषि ठहराव था। " क्या आप उपरोक्त कथन से सहमत हैं ? व्याख्या करें।

Q 3. Do you agree with the view that commercialization of agriculture was a stimulus for agricultural growth and not a cause for its slowdown? Discuss critically.

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि कृषि का व्यावसायीकरण कृषि विकास के लिए एक प्रोत्साहन था न कि इसकी मंदी का कारण? आलोचनात्मक चर्चा करें।

Q 4: Discuss the impact of railways on economic development during the colonial period in the context of famines and opening of the Suez Canal in late nineteenth century India?

उन्नीसवीं सदी के अंत में औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में अकाल एवं स्वेज नहर के खुलने के संदर्भ में रेलवे का आर्थिक विकास पर होने वाले प्रभाव पर चर्चा करें?

Q 5: "The foundation of business growth in the [British] Raj era was interdependence between commodity trade, banking and industry." Discuss.

"(ब्रिटिश) राज युग में व्यापार वृद्धि की नींव वस्तु व्यापार, बैंकिंग तथा उद्योग के बीच परस्पर-निर्भरता थी।" चर्चा करें।

Q 6. "The colonial state's principal interest continued to lie in meeting the needs of military and expansion of overseas commerce with domestic Indian policies supplementing these goals to the detriment of opportunities for capital not just indigenous but British too. In other words, India's economic prosperity was never the motive for colonizing India." Do you agree? Discuss.

"औपनिवेशिक राज्य का प्रमुख हित सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा घरेलू भारतीय नीतियों के साथ विदेशी वाणिज्य के विस्तार में निहित रहा, उनका उद्देश्य केवल स्वदेशी नहीं बल्कि ब्रिटिशों के लिए पूंजी के अवसरों की हानि के लिए इन लक्ष्यों को पूरा करना था। दूसरे शब्दों में, भारत को उपनिवेश बनाने का उद्देश्य भारत की आर्थिक समृद्धि कभी नहीं रही।" क्या आप सहमत हैं? चर्चा करें।